

अग्नि के प्रकार और उनका महत्व

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

अग्नि के पाँच प्रकार होते हैं। इनमें प्रथम है भौतिक अग्नि। भौतिक अग्नि वह है जिसके द्वारा आप अपने घर को गर्म करते हैं और शरीर में उष्णता बनाए रखते हैं। यह जीवन का भरण-पोषण करती है। जहां जलवायु गर्म हो, ऐसे देशों में भौतिक अग्नि को अधिक महत्त्व नहीं दिया जाता, परंतु शीत प्रधान देशों में इसका बहुत महत्त्व है। भौतिक अग्नि के बिना जीवन की संभावनाएँ क्षीण हो जाती हैं। यह भौतिक अग्नि कुछ सीमा तक शरीर में भी विद्यमान रहती है। इसके पश्चात् द्वितीय प्रकार की अग्नि है जिसे कामाग्नि कहा जाता है, अर्थात् कामना या वासना की अग्नि। इसी आसक्ति या कामाग्नि के कारण इस ग्रह पर जीवन निरंतर चलता रहता है। काम की यह अग्नि समस्त जीव-जंतुओं की प्रजातियों में विद्यमान है। भोजन के अतिरिक्त, काम सबसे प्राचीन संस्कारों में से एक है। समस्त जन्मों में हमने निश्चित रूप से दो कार्य किए हैं, एक है भोजन करना और दूसरा है मैथुन। वानर, गाय या सिंह के रूप में समस्त शरीरों से गुज़रते हुए, ये दो कृत्य सदैव उपस्थित रहे हैं। तृतीय प्रकार की अग्नि को जठराग्नि कहा जाता है, जो भूख और पाचन की अग्नि है। यह आयुर्वेद के महत्त्वपूर्ण सिद्धांतों में से एक है। यदि पाचन की अग्नि मंद या तीव्र हो, तो यह आपके स्वास्थ्य और आपके संतुलन को प्रभावित करती है। भूख का अनुभव होने से पूर्व ही आप भोजन कर लेते हैं। अनेक लोग भूख के कारण नहीं, बल्कि अति-भोजन के कारण रोगग्रस्त होते हैं। यहाँ पर उपवास का सिद्धांत बहुत ही प्रासंगिक हो जाता है। जब आप उपवास करते हैं, तब आपके शरीर की प्रत्येक कोशिका जीवंत हो उठती है। उपवास एक अत्यंत उत्तम चिकित्सा है। यह आपके तंत्र को शुद्ध कर सकती है। उपवास करते समय अपने शरीर की प्रकृति और सामर्थ्य को ध्यान में रखना आवश्यक है; अति-भोजन और अति-उपवास दोनों ही उचित नहीं हैं। चतुर्थ प्रकार की अग्नि, सामाजिक आलोचना का भय है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। जब आपको संसार में एक निश्चित आचार-संहिता का पालन करना होता है, तो स्वाभाविक रूप से आलोचना का भय और दंडित होने का भय उत्पन्न होते हैं। यदि आप आलोचना को लेकर बहुत चिंतित हैं कि लोग आपके बारे में क्या सोचेंगे या क्या कहेंगे, तो आप मूल तत्त्व को खो रहे हैं। आलोचना की अग्नि आपके भीतर नैतिकता को बनाए रखती है। परंतु यदि यह अनियंत्रित या सीमा से बाहर हो जाए, तो यही आलोचना की अग्नि आपकी स्वतंत्रता और उन्मुक्तता की भावना को समाप्त कर सकती है। पाँचवीं अग्नि, ज्ञान या प्रेम की अग्नि है। प्रेम की अग्नि एक तड़प या तीव्र अभिलाषा से प्रारंभ होती है। यह नवीनतम प्रतीत होती है और असहज भी लग सकती है। केवल मानव जन्म में ही इस अग्नि का अनुभव किया जा सकता है। प्रेम की अग्नि या ज्ञान की अग्नि प्रारंभ में अप्रियता या तीव्र विरह की भावना उत्पन्न करती है, परंतु अंततः यह आनंद व पूर्णता के प्रस्फुटन की ओर अग्रसर होती है। जो इन पाँच अग्नियों से होकर गुज़रा है, वह शुद्ध हो गया है और वह दूसरे छोर पर पहुँच गया है।

तमिलनाडु सीएम विजय की मोदी सरकार ने की तारीफ

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार ने तमिलनाडु में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार के लिए गए एक बड़े फैसले के बाद उनकी प्रशंसा की है. दरअसल, तमिलनाडु की टीवीके सरकार ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर वैट में बड़ी कटौती की है, इससे कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच एयरलाइंस को राहत मिलने की उम्मीद है. तमिलनाडु सरकार ने चेन्नई में ज़ब्त पर वैट रेट को 29 प्रतिशत से घटाकर 16 प्रतिशत कर दिया है, जबकि राज्य के अन्य सभी हवाई अड्डों पर इसे घटाकर मात्र एक प्रतिशत कर दिया गया है. इस फैसले के लिए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने सीएम विजय की सराहना की. केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने इस संबंध में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा कर तमिलनाडु के सीएम की सराहना की. उन्होंने कहा, 'मैं एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर वैट कम करने के तमिलनाडु सरकार के फैसले की सराहना करता हूं. यह एविएशन सेक्टर के लिए एक स्वागत योग्य कदम है. इस पहल के लिए मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय को धन्यवाद.'



उन्होंने कहा, 'हवाई यात्रा को ज्यादा किफायती बनाने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच इस तरह का समन्वय बेहद जरूरी है. दोनों को मिलकर काम करना होगा. हमारी साझा प्राथमिकता हमेशा यात्री होने चाहिए.' उल्लेखनीय है कि एटीएफ जीएसी व्यवस्था के दायरे से बाहर है. इसलिए राज्यों को अपनी-अपनी रेट के मुताबिक इस पर वैट लगाने की आजादी है. दरअसल, यह पूरा मामला एयरलाइंस के ऑपरेटिंग कॉस्ट पर ही आकर टिकता है. आमतौर पर एयरलाइन के ऑपरेटिंग कॉस्ट का करीब 30-40 प्रतिशत हिस्सा ईंधन में खर्च होता है, लेकिन अब यह बढ़कर करीब 55-60 प्रतिशत हो गया है. इस फरवरी में अमेरिका-ईरान युद्ध शुरू होने की बाद से जेट फ्यूल के दामों में लगातार इजाफा हो रहा है.

वहीं, युद्ध और संघर्ष के जल्द खत्म होने के अभी कोई आसार नहीं दिख रहें हैं. ऐसे में दुनियाभर में एयरलाइंस के लिए एटीएफ की बढ़ती कीमतों और एयरस्पेस बंद होने के दोहरे दबाव के बीच फ्लाइट ऑपरेशन जारी रखना एयरलाइन कंपनियों के लिए मुश्किल होता जा रहा है. जबकि भरतीय एयरलाइंस की बात करें, तो इसमें सामान्य कारणों के अलावा, दो और कारण भी शामिल है, जो विमान यात्रा को यात्रियों के लिए खर्चीला बना रहे हैं. इसमें पहला कारण- कमजोर होता रुपया है और दूसरा पाकिस्तान के एयरस्पेस का बंद होना है. जिसके चलते पश्चिम देशों के लिए उड़ानों को ज्यादा समय और ज्यादा फ्यूल खर्च करना पड़ रहा है. ऐसे में एटीएफ पर वैट रेट की कटौती से एयरलाइंस की परिचालन लागत कम होगी. इससे हवाई किराया को भी कंट्रोल रखने में मदद मिल सकती है.



बढ़ गया जाह्नवी का वजन 'कॉफी विद करण 9' में खुलासा

मुंबई (एजेंसी)। कॉफी विद करण 9 के काउच पर अगले मेहमान जाह्नवी कपूर और वरुण धवन होंगे। प्रोमो से यह साफ हो गया है कि आने वाला एपिसोड बहुत मजेदार और हंसी-मजाक से भरपूर होने वाला है। शो की नई क्लिप में जाह्नवी कपूर और वरुण धवन एकदम बेबाक अंदाज में नजर आ रहे हैं। जाह्नवी और वरुण फिल्ममेकर करण जौहर के टॉक शो के तीसरे एपिसोड में नजर आने वाले हैं। इस आने वाले एपिसोड का प्रोमो जारी कर दिया गया है, जिसमें ढेर सारी मस्ती की झलक देखने को मिलती है। साथ ही अर्जुन कपूर की भी सरप्राइज़ एंट्री होती है। कॉफी विद करण सीजन 9 के नए प्रोमो में एक्ट्रेस जाह्नवी एक मजेदार खुलासा भी करती हैं। प्रोमो में वरुण धवन ने बताया कि करण जौहर ने उनसे और जाह्नवी कपूर से बात करना बंद कर दिया था। इस पर करण ने कहा, मैं आप दोनों से नाराज था। इस पर जाह्नवी ने जवाब दिया कि जब हमारी बातचीत बंद हुई तो मेरा वजन बढ़ गया था। वरुण ने आगे कहा कि करण, आपने बहुत ड्रामेटिक बातें कहीं। आप बिल्कुल कभी खुशी कभी गम के बच्चन साहब बन गए थे- मैं बड़ा हूं, मेरा हक है! प्रोमो शेयर करते हुए, जियो हॉटस्टार ने लिखा, वरुण, जाह्नवी और अर्जुन कॉफी काउच पर? भाई फिर तो हंगामा होना ही है! कॉफी विद करण सीजन 9, एपिसोड 3, बुधवार शाम 7 बजे स्ट्रीम होगा - सिर्फ जियो हॉटस्टार पर द पीकॉक हब में।

फ्रांस में फिर से विरोध-प्रदर्शन शुरू

पेरिस में संग्रहालय बंद, 70 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस में फिर से विरोध-प्रदर्शनों का दौर शुरू हो गया है। इन विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर अधिकारियों ने शनिवार को बड़े पैमाने पर पुलिस फोर्स को तैनात किया है। साथ ही पेरिस के प्रमुख संग्रहालयों को बंद कर दिया गया है। सरकार की कोशिश है कि पिछले सप्ताह हुई हिंसा जैसी घटनाओं को फिर से होने से रोका जा सके। पिछले हफ्ते दुकानों में लूटपाट, गाड़ियों में आगजनी और सार्वजनिक प्रतिष्ठानों पर हमलों के बाद ऐसा लग रहा था कि सरकार का नियंत्रण समाप्त हो गया है। नकाबपोश उपद्रवियों ने पेरिस सहित कई अन्य शहरों के मुख्य व्यावसायिक क्षेत्रों को निशाना बनाया था।

गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि देशभर में करीब 70,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा हेलीकॉप्टर, बख्तरबंद वाहन और पानी की बौछार करने वाली गाड़ियां भी तैनात की गई हैं। पिछले सप्ताह पांच लाख से अधिक लोग सड़कों पर उतर आए थे, जिसे देखते हुए इस बार भी भारी भीड़ जुटने की आशंका है। लूर्व, ओरसे संग्रहालय, पिकासो संग्रहालय और ग्रैंड पैलैस जैसे पेरिस के प्रमुख संग्रहालयों को शनिवार को बंद रखा गया। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित समकालीन कला मेलों में से एक %आर्ट बेसेल% शुक्रवार को जनता के लिए खोला गया था, लेकिन उपद्रव की आशंका को देखते हुए आयोजकों ने वीकेंड के कार्यक्रमों को रद्द कर दिया। पिछले वीकेंड के प्रमुख विरोध स्थलों में से एक, पेरिस के प्लेस डी ला रिपब्लिक के पास एक बैंक शाखा और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को उपद्रवियों से बचाने के लिए लकड़ी के बड़े टुकड़ों से ढक दिया गया है।



हिंसा के बाद, पेरिस पुलिस ने दुकानदारों को प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड्स तैनात करने की सलाह दी। हालांकि बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि कारोबारियों और उनके प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। पिछले सप्ताहांत पूरे फ्रांस में लगभग 3,000 दुकानों को नुकसान पहुंचाया गया या उनमें लूटपाट की गई।

फ्रांसीसी अधिकारियों ने पेरिस के उपनगरीय इलाकों में हुई गोलीबारी की घटना को नस्ली भेदभाव से प्रेरित हमला बताया है। फ्रांस की राजधानी पेरिस के एक उपनगर में शुक्रवार को एक वाहन से की गई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 12 वर्षीय बच्ची समेत कम से कम पांच अन्य लोग घायल हो गए।

गोलीबारी के कुछ ही देर बाद संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया और फ्रांस के राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी अभियोजक कार्यालय ने मामले की जांच अपने हाथ में ले ली। देश के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इसे नस्ली भेदभाव से प्रेरित आतंकवादी हमला बताते हुए कहा कि संदिग्ध के बयानों से संकेत मिलता है कि उसने पहले से इसकी साजिश रची थी।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर 1.56 करोड़ विदेशी मुद्रा जब्त

डीआरआई ने मलेशिया जा रहे दो यात्रियों को किया गिरफ्तार

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस ने दो यात्रियों को उस समय रोका जब वे मलेशिया के कुआलालंपुर जाने की तैयारी कर रहे थे। उनके पास से लगभग 1.56 करोड़ रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा जब्त की गई। एक पुख्ता जानकारी के आधार पर ष्ठऋ्ठ की हैदराबाद जोनल यूनिट ने कुआलालंपुर (मलेशिया) जाने वाली एयरएशिया की फ्लाइट में सवार होने वाले एक पुरुष यात्री को रोका। अधिकारियों ने बताया कि उसके केबिन बैगेज की तलाशी लेने पर 66,600 अमेरिकी डॉलर, 3,773 मलेशियाई रिंगित और 2 सिंगापुर डॉलर मिले, जिनकी कुल कीमत लगभग 63.62 लाख रुपये है। यह विदेशी मुद्रा उसके ट्रॉली बैग में कपड़ों के बीच एक काले प्लास्टिक कवर में छिपाकर रखी गई थी। शुरुआती पूछताछ के दौरान, उस यात्री ने बताया कि उसी फ्लाइट में एक महिला भी यात्रा कर रही है, जिसके पास विदेशी मुद्रा हैं। ष्ठऋ्ठ अधिकारियों ने उस महिला को भी पकड़ लिया। उसके केबिन बैगेज की तलाशी लेने पर 97,600 अमेरिकी डॉलर मिले, जिनकी कीमत लगभग 91.94 लाख रुपये है। यह विदेशी मुद्रा भी उसके ट्रॉली बैग में उसी तरह छिपाकर रखी गई थी। दोनों यात्री इस विदेशी मुद्रा को कानूनी तरीके से हासिल करने और ले जाने से जुड़े दस्तावेज पेश नहीं कर सके। ष्ठऋ्ठ ने कस्टम एक्ट, 1962 के तहत लगभग 1.56 करोड़ रुपये की पूरी विदेशी मुद्रा और उसे छिपाने के लिए इस्तेमाल किए गए ट्रॉली बैग जब्त कर लिए। अधिकारियों ने बताया कि दोनों यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। ष्ठऋ्ठ ने अपने बयान में इन दोनों यात्रियों के नामों का खुलासा नहीं किया है। अब इस बात की जांच की जा रही है कि यह विदेशी मुद्रा कहां से आई थी और इसे किस मकसद से ले जाया जा रहा था।

जामिया में प्रदर्शन के बीच बवाल ऑनलाइन मोड में शिफ्ट हुई क्लास

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की जामिया मिल्लिया इस्लामिया (छ्रस्ह्व) यूनिवर्सिटी छात्र संघ बहाल करने की मांग को लेकर प्रदर्शन के बीच सभी कोर्स की क्लास ऑनलाइन मोड में शिफ्ट कर दी गई हैं। ये फैसला कैंपस के मौजूदा हालातों और छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। 24 अक्टूबर को रजिस्ट्रार कार्यालय की तरफ से जारी इस आदेश में कहा गया है कि ये क्लास अगले आदेश तक ऑनलाइन ही चलेंगी। यूनिवर्सिटी की ओर से कहा गया है कि यह एक एहतियाती कदम है जिसका मकसद छात्रों की सुरक्षा करना है। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखा कि पढ़ाई-लिखाई जारी रहे और छात्रों की पढ़ाई पर कोई असर न पड़े। ये फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब जब संघ की बहाली को लेकर चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के दौरान लगाए गए नारों को लेकर विवाद खड़ा हो गया।



इससे पहले दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को यूनिवर्सिटी परिसर के पास से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद समेत 10 लोगों को हिरासत में ले लिया था। वहीं, समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद मोहिबुल्लाह नदवी ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मिलने जाते समय दिल्ली पुलिस ने उन्हें भी हिरासत में ले लिया। यह आंदोलन 12 अक्टूबर को शुरू हुआ था, जिसमें प्रदर्शनकारी छात्र संघ चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा करने वाली आधिकारिक अधिसूचना की मांग कर रहे हैं। आखिरी चुनाव साल 2005 में हुए थे और छात्र संघ को 2006 में भंग कर दिया गया था। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांग एक चुनी हुई छात्र संस्था की बहाली है, जबकि यूनिवर्सिटी प्रशासन ने नए छात्र संघ के संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए समिति का गठन किया है। इस बीच, परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और विभागों और केंद्रों में प्रवेश की अनुमति देने से पहले छात्रों की जांच की जा रही है।

महिला प्रदर्शनकारियों से दुर्व्यवहार की होगी जांच

पेलेट गन पर भी बयान दर्ज करेगी समिति

नयी दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर जुलाई में हुए हिंसक टकराव के दौरान क्या प्रदर्शनकारियों पर पेलेट गन का इस्तेमाल किया गया था? क्या महिला प्रदर्शनकारियों के साथ दुर्व्यवहार हुआ था? इन गंभीर आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित उच्चस्तरीय जांच समिति 29 और 30 अक्तूबर को नई दिल्ली में प्रभावित लोगों की बात सुनेगी। समिति कथित पुलिस ज्यादती, प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा और संपत्ति को हुए नुकसान से जुड़े मामलों की भी जांच करेगी।

सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित उच्चस्तरीय जांच समिति (एचपीईसी) 29 और 30 अक्तूबर को सुबह 11 बजे से अपनी कार्यवाही करेगी। अधिकारियों के मुताबिक, समिति का कार्यालय शिक्षा सदन, 17 राउज एवेन्यू इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली में है। आम लोग और हिंसा से प्रभावित व्यक्ति दोनों दिन सुबह 11.30 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच सीधे पहुंचकर अपनी शिकायतें, पक्ष और सबूत पेश कर सकते हैं। इसके लिए वैध पहचान पत्र साथ रखना जरूरी होगा। समिति का मुख्य उद्देश्य घटनाओं से जुड़े आरोपों और उपलब्ध सबूतों की जांच करना है। समिति खास तौर पर पेलेट गन के कथित इस्तेमाल, चुनिंदा प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाकर की गई हिंसा और महिला प्रदर्शनकारियों के साथ कथित दुर्व्यवहार की जांच करेगी। इसके अलावा, सुरक्षा बलों की ओर से जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग किए जाने और दोनों पक्षों की तरफ से संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोपों की भी पड़ताल होगी। प्रदर्शन के दौरान कुछ छात्रों को चोटें आई थीं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। इन चोटों के पीछे पेलेट गन के संभावित इस्तेमाल की आशंका जताई गई थी। हालांकि, इन आरोपों की सच्चाई जांच और सबूतों के आधार पर ही सामने आएगी।

पांच सदस्यीय समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर. सुभाष रेड्डी कर रहे हैं। समिति में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रवि शंकर झा, दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति शालिंदर कौर, सीबीआई के पूर्व निदेशक ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के पूर्व पुलिस महानिदेशक एल. आर. बिश्नोई शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कथित ज्यादती और पुलिसकर्मियों के खिलाफ हिंसा के आरोपों से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए इस समिति का गठन किया था।

'एक और ज़बरदस्त हमले के लिए तैयार रहो'

ट्रम्प ने ईरान को दी धमकी, तेहरान बोला-आओ, काट देंगे इंटरनेट केबल

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ नई सैन्य कार्रवाई का संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि अगर तेहरान किसी समझौते के लिए तैयार नहीं होता है, तो वाशिंगटन एक और ऑपरेशन शुरू कर सकता है। इससे कुछ घंटे पहले ही एक अमेरिकी दूत ने कहा था कि इसी सप्ताहांत तक ईरान पर फिर से बड़े हमले हो सकते हैं। फ्लोरिडा में एक रैली के दौरान ट्रंप ने कहा, हम एक और एपिक फ्यूरी कर सकते हैं। यहां उन्होंने ईरान के खिलाफ अमेरिकी सेना द्वारा चलाए जाने वाले युद्ध के लिए इस्तेमाल किए गए नाम का जिक्र किया। ट्रंप की इस धमकी के बाद ईरानी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अमेरिका और इजराइल ने अगर दोबारा हमला किया तो ईरान खाड़ी में समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल को निशाना बना सकता है। हमले से बचने के लिए ईरान ने अपना आगे का प्लान तैयार कर लिया है। ईरान खाड़ी में समुद्र के नीचे बिछे इंटरनेट केबल को निशाना बनाने की योजना तैयार की है। ईरानी रिवोल्यूशनरी गाईस के राजनीतिक मामलों के उप प्रमुख यदोल्लाह जावानी ने कहा है कि अगर ईरानी बुनियादी ढांचे पर हमला हुआ तो ईरान होर्मुज के नीचे मौजूद सात प्रमुख इंटरनेट केबल को काट देगा। समुद्र के नीचे की इंटरनेट केबल से लेकर सैन्य ठिकानों तक कोई जगह सुरक्षित नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि, ईरान की ना केवल समुद्र के नीचे बिछे इन केबल तक पूरी पहुंच है, वह इन्हें पूरी तरह से नष्ट भी कर सकता है।

बता दें कि समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल दुनिया के करीब 99 प्रतिशत इंटरनेट ट्रैफिक पहुंचाती हैं। कई केबल कटने से इंटरनेट की रफ्तार धीमी हो सकती है और वित्तीय लेनदेन, ऑनलाइन कारोबार और क्लाउड सेवाओं पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा युद्ध के दौरान केबल की मरम्मत भी मुश्किल हो सकती है, क्योंकि बीमा लागत बढ़ने और समुद्री क्षेत्र में जाने की अनुमति मिलने में देरी हो सकती है।

आधा सेंटीमीटर से भी छोटे छेद से दूरबीन द्वारा फुल स्पाईन की हर तरह के ऑपरेशन के लिए पूर्वी भारत का पहला केन्द्र

- कोई चीरा नही
- बेहोशी की जरूरत नही
- कम खर्च / रियायती
- खून चढ़ाने की जरूरत नही
- दो घंटे में चलना, दर्द रहित
- अगले दिन छुट्टी

किंग्सवे मेडिकल सेन्टर, पटना
Mob. : 7033000109
(पी.जी. आई. चंडीगढ़ के डाक्टरों द्वारा संचालित)
देश व दुनिया के सर्वोच्च संस्थानों में कार्य अनुभव



डा. आनंद भूषण
MBBS (मणिपाल), MS ऑर्थो, राजस्थान (गोल्ड मेडल)
SRD (पी.जी.आई., चंडीगढ़)
किंग्स कॉलेज, लंदन, UK ● WWL हॉस्पीटल, राइन्टिंगटन, इंग्लैंड
हड्डी जोड़, नस, लिगामेंट एवं गठिया रोग विशेषज्ञ
स्पाईन एंडोस्कोपी व ज्वाइंट सर्जन (दूरबीन पद्धति)

गणपति की पूजा से जीवन की बाधाएं होती हैं दूर

वाराणसी (एजेंसी)। भगवान गणेश को समर्पित संकष्टी चतुर्थी का व्रत हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन गणपति बप्पा की पूजा करने से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं और सुख-समृद्धि आती है। अक्टूबर में वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखा जाएगा। आइए जानते हैं इसकी सही तारीख, पूजा का शुभ मुहूर्त, चंद्रोदय का समय और व्रत विधि। यहां जानिए कार्तिक माह के व्रत-त्योहारों की लिस्ट।

हिंदू पंचांग के अनुसार, कार्तिक महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 29 अक्टूबर 2026 को सुबह 1 बजकर 6 मिनट पर शुरू होगी और उसी दिन रात 10 बजकर 9 मिनट पर समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार, वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी का व्रत गुरुवार, 29 अक्टूबर को रखा जाएगा। इस दिन व्रती सुख-शांति और जीवन की परेशानियों से मुक्ति की कामना करते हुए गणेश की जी पूजा करेंगे।

संकष्टी चतुर्थी पर भगवान गणेश की पूजा के लिए शाम 5 बजकर 38 मिनट से 6 बजकर 58 मिनट तक का समय बताया गया है। भक्त इस अवधि में गणपति बप्पा को दूर्वा, फूल और लड्डू अर्पित कर सकते हैं। पूजा के दौरान भगवान गणेश का ध्यान करके परिवार की सुख-समृद्धि की प्रार्थना करें। पंचांग के अनुसार, 29 अक्टूबर को चंद्रोदय रात करीब 8 बजकर 17 मिनट पर होने की संभावना है। संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखने वाले भक्त चंद्रमा के दर्शन के बाद उन्हें अर्घ्य देते हैं और फिर व्रत का पारण करते हैं। चंद्रोदय का वास्तविक समय स्थान के अनुसार अलग-अलग हो सकता है।

बंगाल की खाड़ी से कल चक्रवाती तूफान उठने की संभावना

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि बंगाल की खाड़ी के पूर्वी-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी हिस्से में कम दबाव का एक क्षेत्र बना है. इसके सोमवार तक बंगाल की खाड़ी के पश्चिमी-मध्य हिस्से में पहुंचने के बाद चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है.

इस सिस्टम के उत्तरी आंध्र प्रदेश और उससे सटे दक्षिणी ओडिशा के तटों की ओर बढ़ने का अनुमान है, जिसके चलते इन जगहों पर आंधी-तूफान की संभावना बनी हुई है. विशाखापत्तनम में स्थित ष्ठऋ्ठ के चक्रवात चेतावनी केंद्र ने बताया कि यह कम दबाव का क्षेत्र शुक्रवार सुबह लगभग 5:30 बजे बना. यह गुरुवार को बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्वी और उससे सटे पूर्वी-मध्य हिस्से में मौजूद अपर-एयर साइक्लोनिक सर्कुलेशन के प्रभाव के कारण बना है.

आईएमडी के अनुसार इस सिस्टम के शनिवार (24 अक्टूबर) को एक



डिप्रेशन में तब्दील होने की काफी हद तक संभावना है. इसके बाद पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ने की काफी संभावना है. रविवार को ये %डीप डिप्रेशन में बदल जाएगा और सोमवार सुबह तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान (साइक्लोनिक स्टॉर्म) का रूप ले लेगा.

बुलेटिन में कहा गया है कि अगले 2 दिनों तक यह और अधिक तीव्र होता जाएगा. आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रबंध निदेशक प्रखर जैन ने शुक्रवार को कहा कि इस सिस्टम के असर से राज्य में भारी बारिश की संभावना है. उन्होंने आमजनों और किसानों को पहले से ही सावधानी बरतने की अपील की है और मछुआरों से बिना देरी किए तट पर वापस लौटने को कहा है.

आईएमडी अमरावती केंद्र ने गुरुवार को बताया था कि इस सिस्टम के कारण 27 अक्टूबर से तटीय आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है. 27-28 अक्टूबर को विभाग ने अल्लूरी सीताराम राजू (स्क), काकीनाडा, पूर्वी गोदावरी, डॉ. बी.आर. अंबेडकर कोनासीमा, एलुरु, पश्चिमी गोदावरी और ह्रङ्क्रजिलों के साथ-साथ यनम में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश के लिए अलर्ट जारी किया है.

अब आपके शहर पटना में राम मनोहर लोहिया हास्पीटल, नई दिल्ली के 25 वर्षो के अनुभवी प्रख्यात हदय रोग विशेषज्ञ डॉ0 ए0 के ठाकुर उपलब्ध है।

HEALTHY HEART CLINIC
Dr. A. K. THAKUR
MD, DM, CARDIO (Gold Medalist)
PGI, RML Hospital, New Delhi
Visiting Consultant at
Asian City Hospital, Patna



ECG, ECHO, HOLTER, TMT, ABPM, ILR, ANGIOGRAPHY, ANGIOPLASTY, PACEMAKER ICD, CRTD इत्यादि की सुविधा उपलब्ध है।
आयुष्मान भारत योजना, मुख्यमंत्री राहत योजना एवं TPA / इंश्योरेंस से कैशलेस इलाज की व्यवस्था
Adult Vaccination Available
एम 2/36, श्रीकृष्णापुरी, मिश्रा फार्मा के बगल में, कृष्णा अपाटमेंट के सामने, बोरिंग रोड, पटना
7061824674, 7250257778